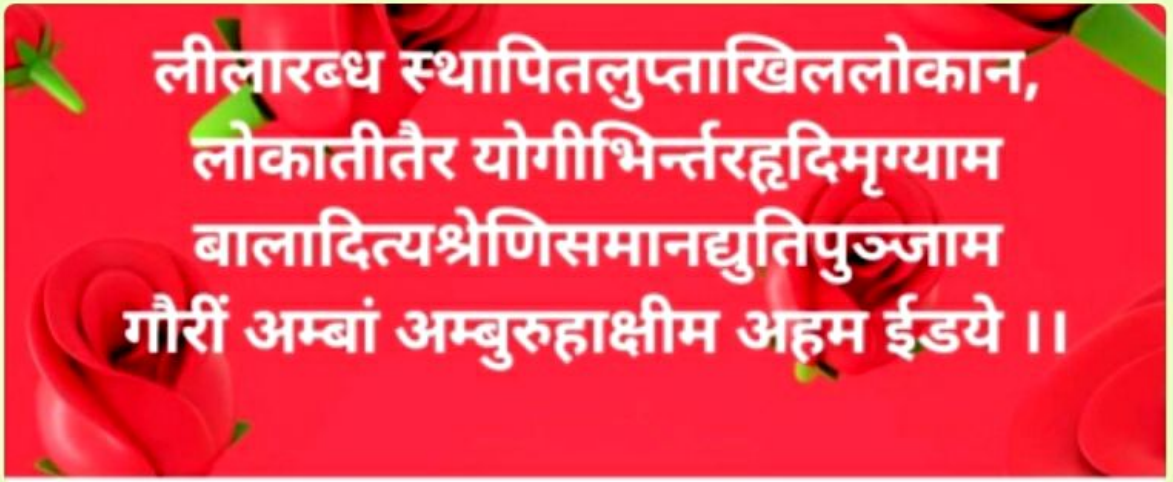

लीला है जिनकी सृष्टि रचना, पालन करना ,लय करना

सृष्टि से परे योगी शिव के अंतरहृदय विचरण करना।

प्रातः सूर्य समूह प्रकाश के जैसी है जिनकी आभा ऐसी कमलनयन वाली मां गौरी को मेरा प्रणाम।।

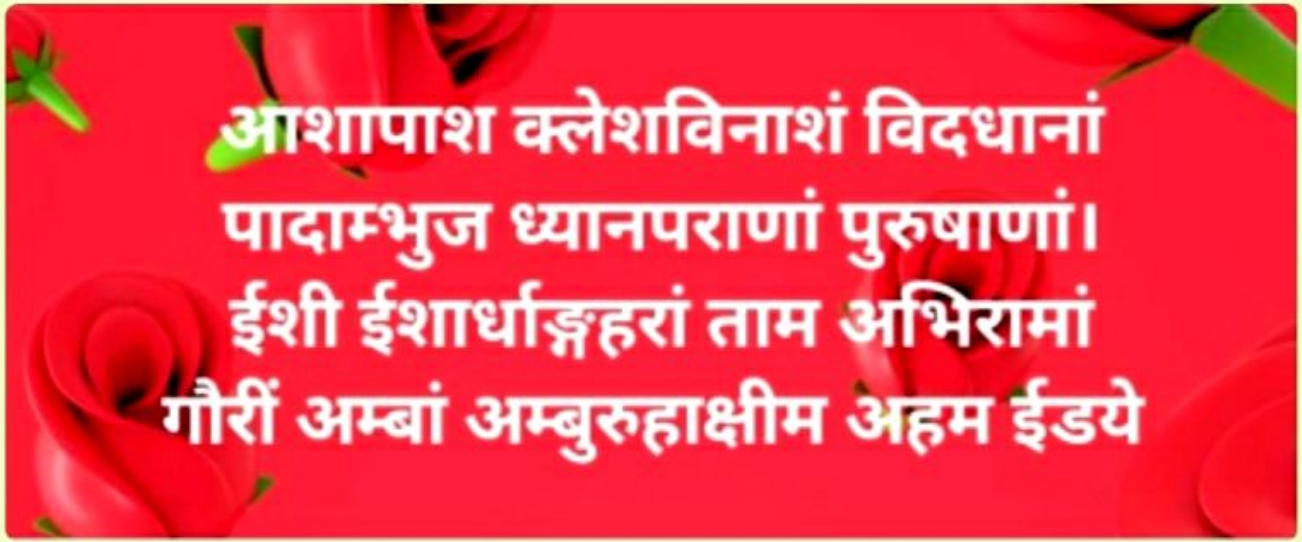

काटे इच्छाओं के बंधन, क्लेश मिटावें देवें ज्ञान
चरण कमल में ध्यान परायण रहने वाले भक्तों
का
शिव का अर्ध अंग धारण कर ईश्वरी पाए अभिराम
ऐसी कमलनयन वाली मां गौरी को मेरा प्रणाम।।

विषय त्याग एकचित ध्यावे और हो निश्चय में दृढ़ता,
कष्ट हरे कल्याण करे मां ऐसे नित्य चित भक्तों का।
ब्रह्म ज्ञान और आनंद देने वाली मां रहती मध्यधाम
ऐसी कमलनयन वाली मां गौरी को मेरा प्रणाम।।

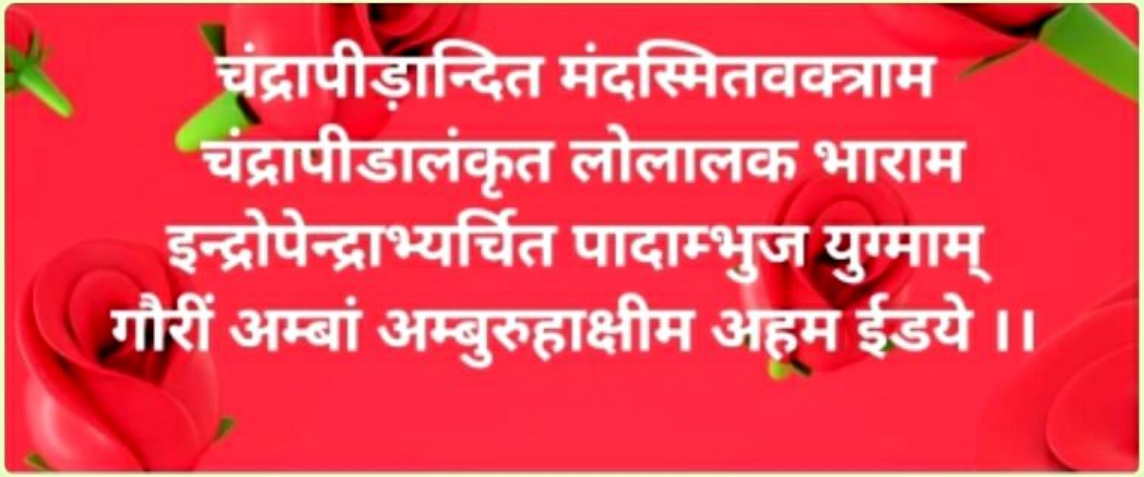

आनंदित हैं देख देख ,शिव के मुखमंडल की मुस्कान
चंद्र सुशोभित घुंघराली लट मां की दे प्राचुर्य वरदान।
पूजें जिनके पाद्यकमल दो, इंद्रदेव, विष्णु भगवान
ऐसी कमलनयन वाली मां गौरी को मेरा प्रणाम।।

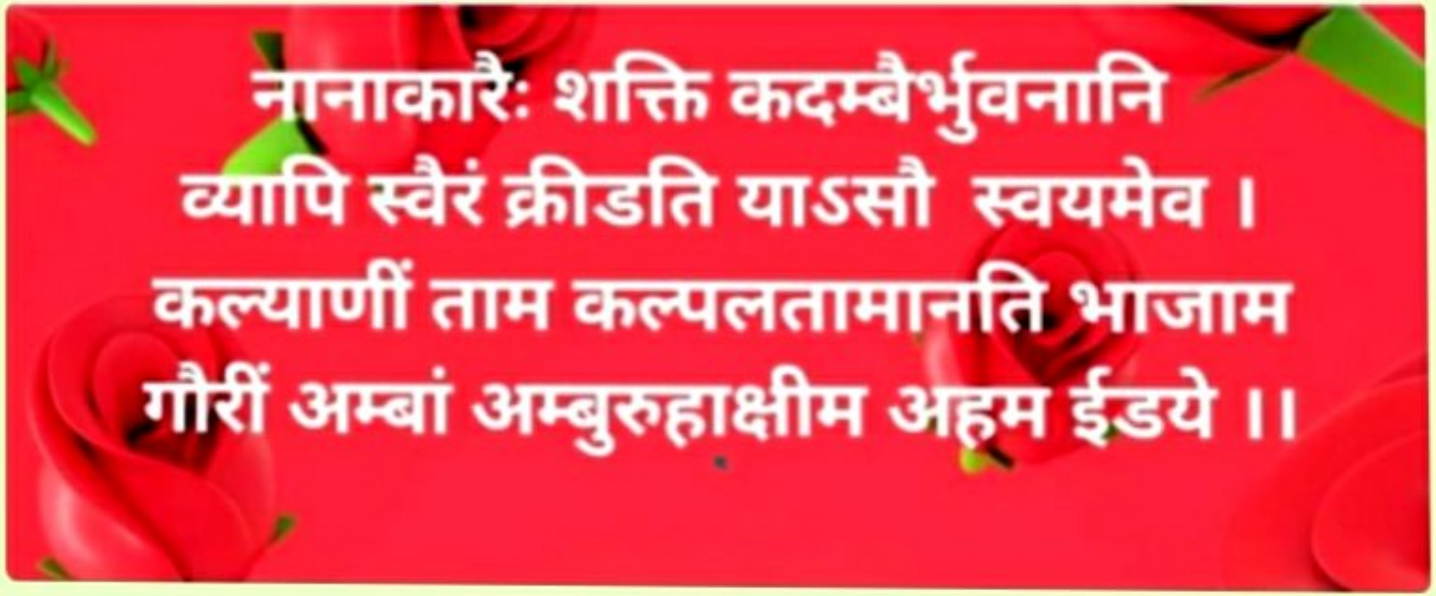

नाना रूप धरे तुम शक्ति भवनों के समूहों में
केवल तुम ही व्याप्त हो क्रीडारत हो सब रूपों में।
कल्पवृक्ष जैसी वरदानी भक्तों का करती कल्याण
ऐसी कमलनयन वाली मां गौरी को मेरा प्रणाम।।

मूलाधार से उठे कुण्डलिनी ,भेदन करे विधिरन्द्र
सूर्य चंद्र लोकों से निकली परे रूप धरे उज्जवल।
रूप तुम्हारा सौदामिनी आभा, करें ध्यान सूक्ष्म
मध्यधाम
ऐसी कमलनयन वाली मां गौरी को मेरा प्रणाम।।

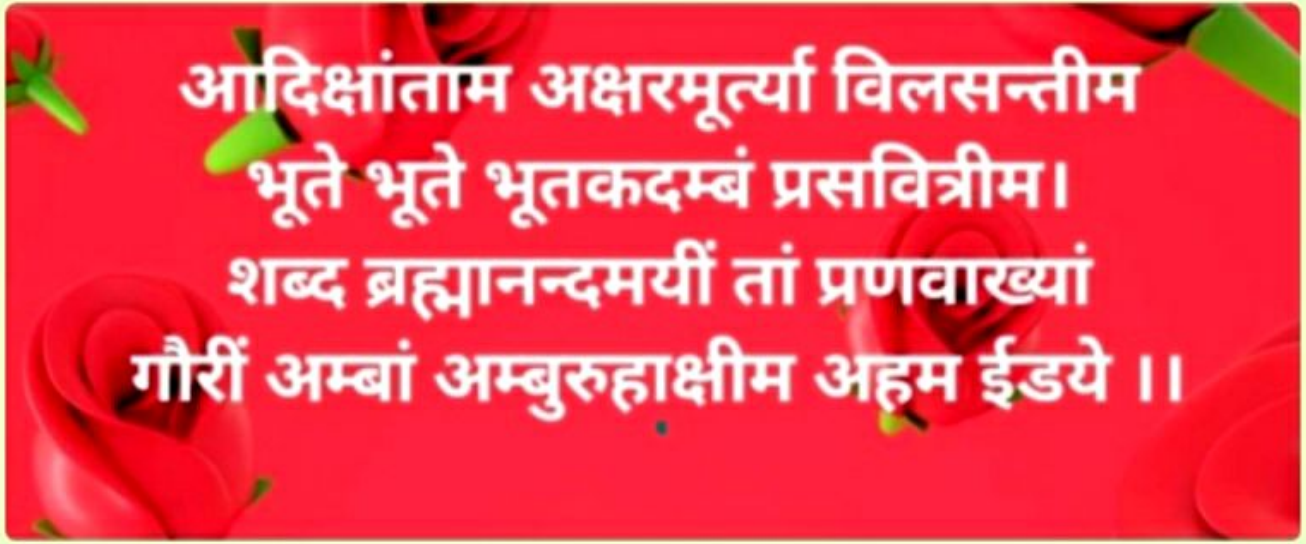

अ से क्ष तक वर्णों में तुम्हीं हो विलसित मूर्त रूप
विद्यमान रहती सृष्टि के सब भूतों में सवित्र रूप।
नाद अनाहत आनन्दमय सृष्टि रचयिता प्रणव
ओंकार
ऐसी कमलनयन वाली मां गौरी को मेरा प्रणाम।।

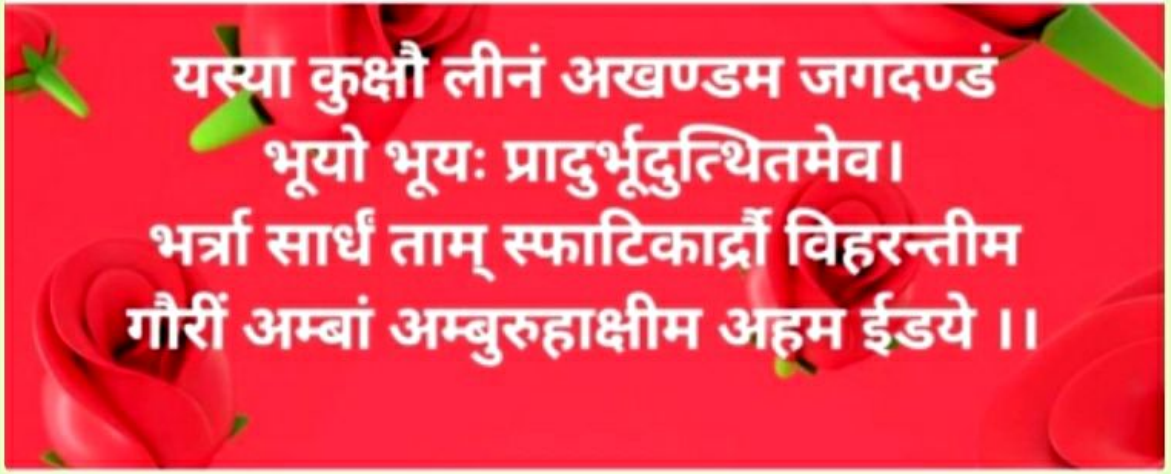

जिसकी कोख में होताओझल अखण्ड ब्रह्माण्ड सारा
बिना क्षति उत्पन्न होता फिर समस्त विश्व जिनके द्वारा
कांच मणि के पर्वत पर अर्धांग संग जो करे विहार
ऐसी कमलनयन वाली मां गौरी को मेरा प्रणाम।।

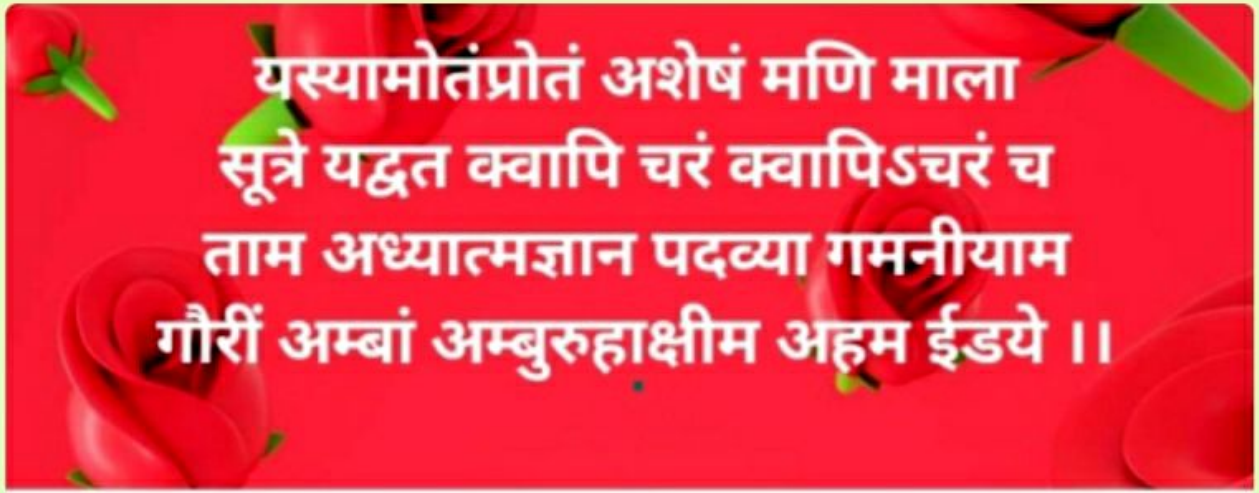

एक ही माला में मनके सब पिरोये रहते हैं जैसे
सृष्टि चराचर एक ही चैतन्य में पिरोई है ऐसे।
उत्सुक जो अध्यात्म मार्ग का कृपा आपकी पाए
ज्ञान
ऐसी कमलनयन वाली मां गौरी को मेरा प्रणाम।।

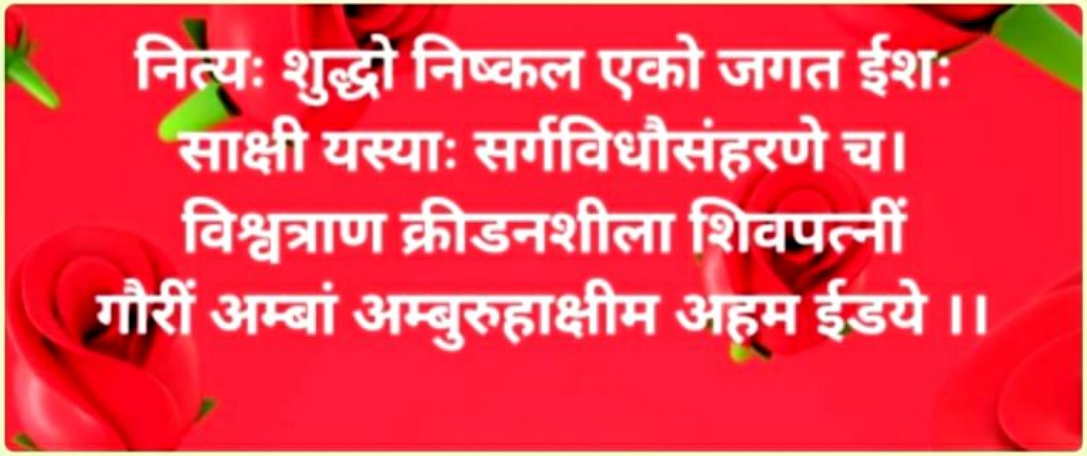

सदा सर्वदा निर्मल केवल स्वामी अखिल जगत का
वही है भोक्ता, सृष्टि स्थिति लय, स्वातन्त्र्य है उसका।
शिव की इच्छा है क्रीड़ारत, करती है जगत का त्राण
ऐसी कमलनयन वाली मां गौरी को मेरा प्रणाम।।

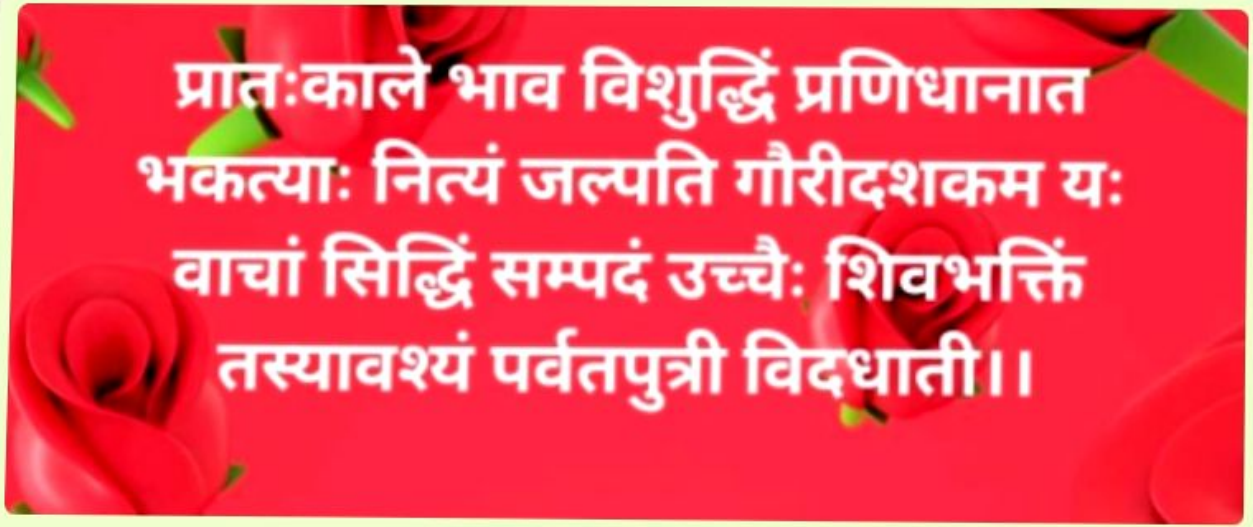

प्रातःकाल में निर्मल भाव से होकर एकाग्रचित्त नित्य नियम से भक्त जपे माता गौरी का यह दशक।

वाकसिद्धि, सर्वोच्च पद और शिव की भक्ति, पर्वतपुत्री गौरी उसे अवश्य ही देती हैं वरदान ऐसी कमलनयन वाली मां गौरी को मेरा प्रणाम।।